4 संधि (Joining)

हिम + आलय = हिमालय (अ + आ = आ)

'हिम' शब्द में 'म' वर्ण का 'अ' और 'आलय' का 'आ' मिलकर दीर्घ 'आ' हो गया।

लघु + उत्तर = लघूत्तर (उ + उ = ऊ)

'लघु' शब्द में 'घु' वर्ण का उ और 'उत्तर' का 'उ' मिलकर दीर्घ 'ऊ' हो गया।

नदी + ईश = नदीश (ई + ई = ई)

'नदी' शब्द में 'दी' वर्ण की ई और 'ईश' का 'ई' मिलकर दीर्घ 'ई' हो गई।

व्याकरण के अनुसार संधि का अर्थ है–वर्णों का मेल। पहले पद के अंतिम वर्ण व दूसरे पद के प्रथम वर्ण के संयोग से होने वाला परिवर्तन 'संधि' कहलाता है।

दो निकटवर्ती वर्णों अर्थात् ध्वनियों के पारस्परिक मेल से उनमें जो विकार होता है, उसे संधि कहते हैं।

संधि-विच्छेद

संधि युक्त वर्णों को अलग करके संधि से पूर्व की अवस्था में लाना संधि-विच्छेद कहलाता है।

जैसे–

एकैक	=	एक + एक (अ + ए = ऐ)
पुरुषार्थ	=	पुरुष + अर्थ (अ + अ = आ)
महोदय	=	महा + उदय (आ + उ = ओ)
परीक्षा	=	परि+ ईक्षा (इ + ई = ई)

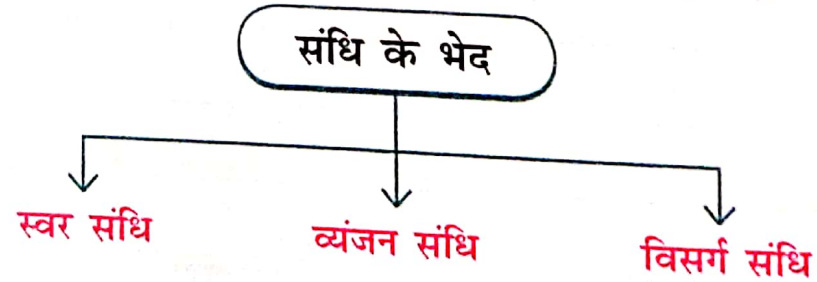

1. स्वर संधि

दो स्वरों के मेल से उनके स्वरूप में होने वाले परिवर्तन को स्वर संधि कहते हैं।

जैसे–भोजनालय = भोजन + आलय

इसमें अ + आ के योग से 'आ' हो गया।

Scanned with CamScanner

स्वर संधि के भेद

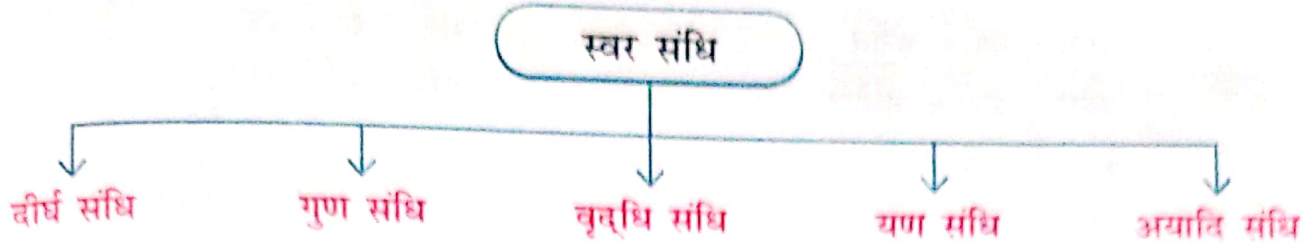

(क) दीर्घ संधि

(*i*) ह्रस्व अ, इ, उ के आगे ह्रस्व समान स्वर आने पर दोनों मिलकर दीर्घ स्वर हो जाते हैं–

अ + अ = आ, इ + इ = ई, उ + उ = ऊ

(*ii*) ह्रस्व अ, इ, उ के आगे दीर्घ समान स्वर आने पर दोनों मिलकर दीर्घ स्वर हो जाते हैं–

अ + आ = आ, इ + ई = ई, उ + ऊ = ऊ

(*iii*) दीर्घ आ, ई, ऊ के आगे ह्रस्व समान स्वर आने पर दोनों मिलकर दीर्घ स्वर हो जाते हैं–

आ + अ = आ, ई + इ = ई, ऊ + उ = ऊ

(*iv*) दीर्घ आ, ई, ऊ के आगे दीर्घ समान स्वर आने पर दोनों मिलकर दीर्घ स्वर हो जाते हैं–

आ + आ = आ, ई + ई = ई, ऊ + ऊ = ऊ

इस प्रकार ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ के आगे ह्रस्व या दीर्घ अ, इ, उ के आने पर दोनों मिलकर दीर्घ हो जाते हैं।

आइए, कुछ उदाहरण देखें–

अ + अ = आ

मत + अनुसार = मतानुसार
सत्य + अर्थ = सत्यार्थ
चरण + अमृत = चरणामृत
वेद + अंत = वेदांत

अ + आ = आ

पुस्तक + आलय = पुस्तकालय
गज + आनन = गजानन
सत्य + आग्रह = सत्याग्रह
देव + आलय = देवालय

आ + अ = आ

विद्या + अर्थी = विद्यार्थी
रेखा + अंकित = रेखांकित
करुणा + अमृत = करुणामृत
सीमा + अंत = सीमांत

आ + आ = आ

दया + आनंद = दयानंद
महा + आशय = महाशय
श्रद्धा + आनंद = श्रद्धानंद
कारा + आवास = कारावास

Scanned with CamScanner

इ + इ = ई

अति + इव = अतीव

अभि + इष्ट = अभीष्ट

रवि + इंद्र = रवींद्र

मुनि + इंद्र = मुनींद्र

इ + ई = ई

परि + ईक्षा = परीक्षा

हरि + ईश = हरीश

मुनि + ईश्वर = मुनीश्वर

गिरि + ईश = गिरीश

ई + इ = ई

मही + इंद्र = महींद्र

सती + इच्छा = सतीच्छा

नारी + इच्छा = नारीच्छा

योगी + इंद्र = योगींद्र

ई + ई = ई

नदी + ईश = नदीश

नारी + ईश्वर = नारीश्वर

सती + ईश = सतीश

रजनी + ईश = रजनीश

उ + उ = ऊ

भानु + उदय = भानूदय

गुरु + उपदेश = गुरूपदेश

सु + उक्ति = सूक्ति

लघु + उत्तर = लघूत्तर

उ + ऊ = ऊ

लघु + ऊर्मि = लघूर्मि

सिंधु + ऊर्मि = सिंधूर्मि

मधु + ऊष्मा = मधूष्मा

साधु + ऊर्जा = साधूर्जा

ऊ + उ = ऊ

वधू + उत्सव = वधूत्सव

भू + उत्सर्ग = भूत्सर्ग

वधू + उल्लेख = वधूल्लेख

भू + उन्नति = भून्नति

ऊ + ऊ = ऊ

वधू + ऊर्मि = वधूर्मि

भू + ऊर्ध्व = भूर्ध्व

वधू + ऊर्जा = वधूर्जा

भू + ऊर्जा = भूर्जा

(ख) गुण संधि

यदि ह्रस्व या दीर्घ अ/आ के आगे ह्रस्व या दीर्घ इ, ई, उ, ऊ, ऋ आएँ, तो उनके स्थान पर क्रमशः 'ए', 'ओ', 'अर्' हो जाते हैं।

अ + इ = ए

राज + इंद्र = राजेंद्र

सुर + इंद्र = सुरेंद्र

शुभ + इच्छा = शुभेच्छा

भारत + इंदु = भारतेंदु

Scanned with CamScanner

आ + ई = ए

उमा + ईश = उमेश
रमा + ईश = रमेश
महा + ईश्वर = महेश्वर
राका + ईश = राकेश

आ + इ = ए

यथा + इष्ट = यथेष्ट
राजा + इंद्र = राजेंद्र
महा + इंद्र = महेंद्र
रमा + इंद्र = रमेंद्र

अ + ई = ए

परम + ईश्वर = परमेश्वर
सुर + ईश = सुरेश
गण + ईश = गणेश
नर + ईश = नरेश

अ + उ = ओ

वीर + उचित = वीरोचित
वार्षिक + उत्सव = वार्षिकोत्सव
उत्तर + उत्तर = उत्तरोत्तर
पर + उपकार = परोपकार

अ + ऊ = ओ

जल + ऊर्मि = जलोर्मि
सागर + ऊर्मि = सागरोर्मि
नव + ऊढ़ा = नवोढ़ा
समुद्र + ऊर्मि = समुद्रोर्मि

आ + उ = ओ

यथा + उचित = यथोचित
महा + उत्सव = महोत्सव
महा + उदय = महोदय
गंगा + उदक = गंगोदक

आ + ऊ = ओ

दया + ऊर्मि = दयोर्मि
महा + ऊर्मि = महोर्मि
गंगा + ऊर्मि = गंगोर्मि
महा + ऊष्मा = महोष्मा

अ/आ + ऋ = अर्

देव + ऋषि =देवर्षि
राज + ऋषि = राजर्षि
ब्रह्म + ऋषि = ब्रह्मर्षि
सप्त + ऋषि = सप्तर्षि
वर्षा + ऋतु = वर्षर्तु
महा + ऋषि = महर्षि

(ग) **वृद्धि संधि**

यदि ह्रस्व या दीर्घ अ/आ के आगे ह्रस्व या दीर्घ ए, ओ, ऐ, औ आएँ, तो उनके स्थान पर क्रमशः 'ऐ' और 'औ' हो जाते हैं।

अ + ए = ऐ

एक + एक = एकैक
लोक + एषणा = लोकैषणा
जीव + एषणा = जीवैषणा

Scanned with CamScanner

आ + ए = ऐ

सदा + एव = सदैव

तथा + एव = तथैव

अ + ऐ = ऐ

मत + ऐक्य = मतैक्य

धन + ऐश्वर्य = धनैश्वर्य

परम + ऐश्वर्य = परमैश्वर्य

लोक + ऐश्वर्य = लोकैश्वर्य

आ + ऐ = ऐ

महा + ऐश्वर्य = महैश्वर्य

माता + ऐश्वर्य = मातैश्वर्य

अ + ओ = औ

परम + ओज = परमौज

दंत + ओष्ठ = दंतौष्ठ

जल + ओघ = जलौघ

अधर + ओष्ठ = अधरौष्ठ

आ + ओ = औ

महा + ओज = महौज

महा + ओजस्वी = महौजस्वी

अ + औ = औ

परम + औदार्य = परमौदार्य

वन + औषध = वनौषध

आ + औ = औ

महा + औषध = महौषध

महा + औदार्य = महौदार्य

(घ) **यण संधि**

जब ह्रस्व या दीर्घ इ, ई, उ, ऊ, ऋ के आगे कोई भिन्न स्वर आए, तो 'इ', 'ई' का 'य्', 'उ', 'ऊ' का 'व्' और ऋ का र् हो जाता है।

इ + अ = य

यदि + अपि = यद्यपि

अति + अंत = अत्यंत

अति + अधिक = अत्यधिक

प्रति + अंग = प्रत्यंग

इ + आ = या

अति + आचार = अत्याचार

अति + आवश्यक = अत्यावश्यक

इति + आदि = इत्यादि

वि + आकुल = व्याकुल

इ + उ = यु

प्रति + उत्तर = प्रत्युत्तर

अभि + उदय = अभ्युदय

प्रति + उपकार = प्रत्युपकार

अति + उत्तम = अत्युत्तम

इ + ऊ = यू

नि + ऊन = न्यून

वि + ऊह = व्यूह

Scanned with CamScanner

इ + ए = ये

प्रति + एक = प्रत्येक

अधि + एषणा = अध्येषणा

ई + अ = य

देवी + अर्पण = देव्यर्पण

नदी + अर्पण = नद्यर्पण

ई + आ = या

नदी + आगमन = नद्यागमन

देवी + आलय = देव्यालय

ई + ऐ = यै

देवी + ऐश्वर्य = देव्यैश्वर्य

उ + अ = व

सु + अच्छ = स्वच्छ

सु + अस्ति = स्वस्ति

सु + अल्प = स्वल्प

अनु + अय = अन्वय

उ + आ = वा

सु + आगत = स्वागत

गुरु + आदेश = गुर्वादेश

उ + इ = वि

अनु + इति = अन्विति

अनु + इत = अन्वित

उ + ए = वे

अनु + एषण = अन्वेषण

अनु + एषक = अन्वेषक

ऊ + आ = वा

वधू + आगमन = वध्वागमन

भू + आदि = भ्वादि

ऋ + आ = रा

पितृ + आलय = पित्रालय

मातृ + आदेश = मात्रादेश

ऋ + उ = रु

पितृ + उपदेश = पित्रुपदेश

ऋ + इ = रि

पितृ + इच्छा = पित्रिच्छा

(ङ) **अयादि संधि**

जब 'ए', 'ऐ', 'ओ' तथा 'औ' का मेल किसी दूसरे शब्द से होता है, तो 'ए' का 'अय्', 'ऐ' का 'आय्', 'ओ' का 'अव्' तथा 'औ' का 'आव्' हो जाता है। इसे अयादि संधि कहा जाता है।

ए + अ = अय्

ने + अन = नयन

शे + अन = शयन

Scanned with CamScanner

ऐ + अ = आय्

नै + अक = नायक

गै + अक = गायक

ओ + अ = अव्

भो + अन = भवन

पो + अन = पवन

औ + अ = आव्

पौ + अन = पावन

पौ + अक = पावक

Scanned with CamScanner